न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)**

प्रकरण संख्या – 878/2024

अनवान : –

1. रामकुमार पुत्र सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
2. धनश्याम पुत्र गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।

– **वादीगण**

बनाम्

1. गंगाबिशन पुत्र हरिगिर जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
2. शंकर पुत्र सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
3. सरोज पुत्री सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
4. गायत्री पुत्री सुखदेवी जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
5. महेन्द्र देवी पत्नी सुखदेवी जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
6. सन्तोष पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
7. राजा पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
8. बनारसी पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
9. भोपालगिर पुत्र आत्मगिर जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
10. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

– **प्रतिवादीगण**

दावा बाबत अन्तर्गत धारा 88–89 ,राजस्थान काश्त0 अधि0 1955

उपस्थिति :– श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता **वादी**
पेरोकार राज

निर्णय दिनांकः –26/11/2024

संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादीगण ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश किया है कि रोही मौजा सिरंगसर तहसील नोहर के खाता स0 78/68 की कुल 2.9980 हैक्ट भूमि प्रतिवादी संख्या 1 तथा रोही मौजा ढाणी रायकान तहसील नोहर के खाता स0 216/116 की कुल 1.1380 हैक्ट भूमि प्रतिवादी संख्या 9 के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

उक्त वाद भूमि वादीगण की दादालाई खातेदारी कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्मजात हक हिस्सा है प्रतिवादी संख्या 1 कर्ता हिन्दु खानदान होने के कारण वाद भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के अकेले के नाम दर्ज हो गई उक्त वाद भूमि में वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 8 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ जन्म जात हक हिस्सा है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 5 व 6 ता 8 ने अपना हक हिस्सा वादीगण व प्रतिवादी संख्या 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है तथा प्रतिवादी संख्या 2 ने उक्त वाद भूमि में से अपना समस्त हक हिस्सा वादी स0 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादीगण व प्रतिवादी स0 2 काबिज है जिसकी वादीगण न्यायालय से घोषणा करवा पाने के अधिकारी है। यही बिनाय दावा है।

वादीगण ने प्रतिवादी स0 1 को कई बार कहा कि वादी के हक व हिस्सा की भूमि को उनके नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे किन्तु वे आजकल आजकल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिए यह वाद पेश किया गया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.12.10 16:04:21 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

अतः वादीगण का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावें की वादीगण के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बंटवारे के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादीगण का वाद डिक्री फरमाया जावें।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के बाद प्रतिवादी सं0 1 ता 9 ने जरिये अधिवक्ता वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल दावा पेश किया जाकर निवेदन किया की वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 9 को कोई ऐतराज नही है। प्रतिवादी संख्या 10 पेरोकार राज ने जवाब पेश किया जो की शामिल मिसल किया गया। वादी ने वाद के समर्थन में बतौर दस्तावेजी साक्ष्य जमाबंदी रोही मौजा सिरंगसर खाता स0 78/68 व रोही मौजा ढाणी रायकान खाता स0 216/116, जमाबंदी रोही मौजा सिरंगसर बहक हीरगिर पेश की जो की शामिल मिसल की गई।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का इकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी के द्वारा शपथ पत्र पेश किया गया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पश्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने बहस वकील वादीगण ने कथन किया कि उक्त वाद भूमि वादीगण की दादालाई कृषि भूमि है जो की वर्तमान प्रतिवादी स0 1 के नाम दर्ज है उक्त वाद भूमि पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी एवं प्रतिवादीगण संख्या 2 ता 8 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ जन्म से हक हिस्सा है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 5 व 6 ता 8 ने अपना हक हिस्सा वादीगण व प्रतिवादी संख्या 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है तथा प्रतिवादी संख्या 2 ने उक्त वाद भूमि में से अपना समस्त हक हिस्सा वादी स0 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादीगण व प्रतिवादी स0 2 काबिज है। प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण के वाद को स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादीगण के वाद के संबंध में कोई एतराज नही है। अतः वादीगण का वाद डिक्री फरमाया जावें।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादीगण ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादीगण के साक्ष्य सबूतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावें।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वाद में प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा सिरंगसर तहसील नोहर के खाता स0 78/68 की कुल 2.9980 हैक्ट भूमि प्रतिवादी संख्या 1 तथा रोही मौजा ढाणी रायकान तहसील नोहर के खाता स0 216/116 की कुल 1.1380 हैक्ट भूमि प्रतिवादी संख्या 9 के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है। [illegible] से उक्त वाद भूमि पैतृक भूमि होना साबित है तथा उभयपक्ष ने [illegible] उक्त वाद भूमि हिन्दु परिवार की साझा आय से अर्जित पैतृक कृषि भूमि होना जाहिर किया है। वादीगण द्वारा पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.12.10 16:04:21 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

अनुसार गंगाबिशन के अन्य कोई वारिस नही होना स्वीकार किया गया है। प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल पेश किया गया है कि वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादी संख्या 1 ता 9 को कोई एतराज नही है। अतः वाद वादीगण साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष स्वीकार योग्य है।

अतः वाद वादीगण साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सिरंगसर तहसील नोहर के खाता स0 78/68 के ख0न0 517/2 की 2.9980 हैक्ट भूमि में प्रतिवादी संख्या 1 का नाम कलमजन किया जाकर 2.239 हैक्ट भूमि के वादी स0 1 व प्रतिवादी संख्या 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है तथा शेष 0.7590 हैक्ट भूमि का वादी स0 2 को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है तथा रोही मौजा ढाणी रायकान तहसील नोहर के खाता स0 216/116 की कुल 1.1380 हैक्ट भूमि में प्रतिवादी संख्या 9 का नाम कलमजन किया जाकर वादी स0 2 को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 26/11/2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.12.10 16:04:21 IST
Reason: SelfAttested

पर्चा डिक्री

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)**

प्रकरण संख्या – 878/2024

अनवान : –

1. रामकुमार पुत्र सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
2. धनश्याम पुत्र गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।

– **वादीगण**

बनाम्

1. गंगाबिशन पुत्र हरिगिर जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
2. शंकर पुत्र सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
3. सरोज पुत्री सुखदेव जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
4. गायत्री पुत्री सुखदेवी जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
5. महेन्द्र देवी पत्नी सुखदेवी जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
6. सन्तोष पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
7. राजा पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
8. बनारसी पुत्री गंगाबिशन जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
9. भोपालगिर पुत्र आत्मगिर जाति गोसाई (गुंसाई) साकिन सिरंगसर तहसील नोहर।
10. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

– **प्रतिवादीगण**

वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 878 सन 2024 निर्णय दिनांक – 26/11/2024

आज यह वाद मुझ पंकज गढ़वाल उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर नोहर के समक्ष वकील वादीगण श्री नरेन्द्र किशोर जोशी एवं राज पेरोकार की उपस्थिति में निर्णयार्थ/अंतिम निपटारे हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादीगण साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सिरंगसर तहसील नोहर के खाता स0 78/68 के ख0न0 517/2 की 2.9980 हैक्ट भूमि में प्रतिवादी संख्या 1 का नाम कलमजन किया जाकर 2.239 हैक्ट भूमि के वादी स0 1 व प्रतिवादी संख्या 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है तथा शेष 0.7590 हैक्ट भूमि का वादी स0 2 को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है तथा रोही मौजा ढाणी रायकान तहसील नोहर के खाता स0 216/116 की कुल 1.1380 हैक्ट भूमि में प्रतिवादी संख्या 9 का नाम कलमजन किया जाकर वादी स0 2 को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 26/11/2024 मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.12.10 16:04:21 IST
Reason: SelfAttested

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर